मेरी सांस तू ही है अहसास तू ही है भैरव भजन

मेरी सांस तू ही है,
अहसास तू ही है,
कभी टूटे न दादा,
वो विश्वास तू ही है,
दादा जन्मो का है ये बंधन,
दादा आया मैं तेरी शरण।bd।

तर्ज – तुमसे जुदा होकर।

अब काल भी मुझको,
डरा नही सकता,
जब साया बनकर के,
तू साथ मेरे चलता,
मुझे हरपल जो होता,
वो आभास तू ही है,
कभी टूटे न दादा,
वो विश्वास तू ही है,
दादा जन्मो का है ये बंधन,
दादा आया मैं तेरी शरण।bd।

मेरे भेरू दादा की,
हर बात निराली है,
आता जो इनके द्वार,
जाता नही खाली है,
मेरे सुख दुख में रहता,
मेरे पास तू ही है,
कभी टूटे न दादा,
वो विश्वास तू ही है,
दादा जन्मो का है ये बंधन,
दादा आया मैं तेरी शरण।bd।

किस्मत मेरी दादा,
तुमने ही सँवारी है,
रहे सर पे सदा तेरा हाथ,
ये अर्जी हमारी है,
ये शुभम की विनती,
तू कर दो संपूर्ण,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मशहूर भी हो जाँऊ,
पर देना नही गुरुर,
'दिलबर' सदा दिल के,
एक पास तू ही है,
कभी टूटे न दादा,
वो विश्वास तू ही है,
दादा जन्मो का है ये बंधन,
दादा आया मैं तेरी शरण।**bd।**

मेरी सांस तू ही है,
अहसास तू ही है,
कभी टूटे न दादा,
वो विश्वास तू ही है,
दादा जन्मो का है ये बंधन,
दादा आया मैं तेरी शरण।**bd।**

गायक – शुभम भण्डारी बालोतरा।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com